GENERAL STUDIES (Module – 2)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/19 (N-M)–M–**GS12**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: VIVESH **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** Awake-19/F-11

Center & Date: M.Ngr. 30/7/2019 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 0877016

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		7 (a)	
1 (b)		7 (b)	
2 (a)		7 (c)	
2 (b)		8	
3 (a)		9	
3 (b)		10	
4 (a)		11	
4 (b)		12	
5		13	
6			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - क / SECTION – A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. (a) "लोक सेवा कल्याणकारी राज्य का मूल उद्देश्य है।" इस कथन के संदर्भ में उन 'लोक सेवा मूल्यों' का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिये, जिनकी सभी लोक सेवकों को आकांक्षा करनी चाहिये। (150 शब्द) 10

"Public service is the basic objective of the welfare state". In the context of this statement, enumerate 'Public Service Values' towards which all public servants should aspire. (150 words) 10

भारतीय संविधान के दर्शन के स्रोत संविधान की प्रस्तावना में लोक कल्याणकारी राज्य के रूप में भारत को स्थापित किया गया है। लोक कल्याणी राज्य में संपूर्ण शासन व्यवस्था का साध्य जन हित, जनता के प्रति प्रतिबद्धता व जन विकास होता है।

भारतीय शासन व्यवस्था में स्थायी कार्यपालिका के रूप में सिविल सेवा को इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु नियुक्त किया गया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु सिविल सेवक में निम्न मूल्य नोलन समिति द्वारा संस्तुति किए गए।

(i) ईमानदारी- लोक सेवकों को अपने स्वहित की घोषणा कर लोक हित को निजी हित पर वरीयता देनी चाहिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) सत्यनिष्ठा: बिना किसी बाहरी दबाव के अपने कर्तव्यों व उत्तरदायित्वों का सम्यक् निर्वहन

(iii) वस्तुनिष्ठता: नियुक्तियों, ठेकों या अन्य आर्थिक गतिविधियों का संचालन नियमों व सम्यक् प्रक्रिया द्वारा

(iv) नेतृत्व शीलता: सिविल सेवक को इस प्रकार कार्य करना चाहिए ताकि वह अन्यों के लिए उदाहरण बन सके।

(v) निस्वार्थ: बिना किसी आशा व प्रत्याशा के अपने कर्तव्यों कार्यों का संचालन करना चाहिए।

(vi) खुलापन: जनता व उचित अधिकारियों को निर्णय के तर्कों आधारों को प्रकट किया जाना चाहिए।

(vii) जवाबदेहिता: अपने द्वारा लिए गए निर्णयों के लिए उत्तरदायी होना चाहिए।

इन सभी के अतिरिक्त सिविल सेवक में भावनात्मक बुद्धिमता, साहस, करुणा, सहानुभूति, प्रतिबद्धता, गैर तरफदारी, सिविल सेवा के प्रति समर्पण जैसे मूल्यों का होना भी आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) शासन में शुचिता को सुनिश्चित करने हेतु 'आपराधिक न्याय प्रणाली' को सुदृढ़ता प्रदान करना सबसे आवश्यक है। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Strengthening of the 'Criminal Justice System' is one of the most important requisites for ensuring probity in governance. Analyse. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शासन में शुचिता से आशय शासन प्रणाली में ईमानदारी, जवाबदेहिता, सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों की आवश्यकता से है।

आपराधिक न्याय प्रणाली की सुदृढ़ता शुचिता हेतु पूर्व आवश्यकता है

शासन में आपराधिक न्याय प्रणाली के क्षेत्र:-

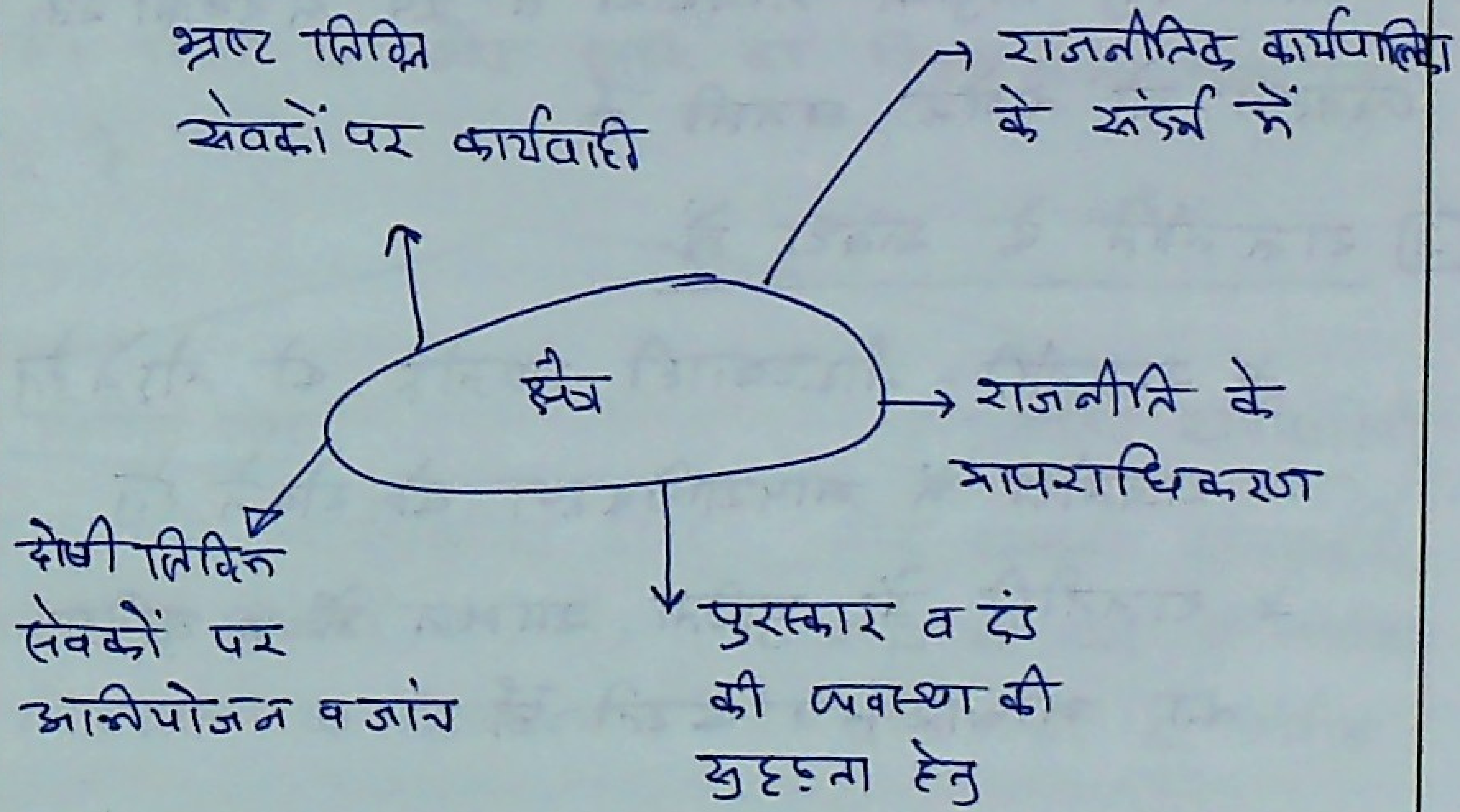

शासन में आपराधिक न्याय प्रणाली के दो क्षेत्र है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. सिविल सेवकों के संदर्भ में:-

* सिविल सेवा में निहित भ्रष्टाचार के मद्देनजर आपराधिक न्याय प्रणाली को सुदृढ़ करना होगा
* इसे तीन क्षेत्रों में सुदृढ़ होने की आवश्यकता

→ शिकायतों के संदर्भ में
→ जांच के संदर्भ में
→ अभियोजन एवं दंड के संबंध में

हाल ही में सिविल सेवा को जांच व प्रारंभिक शिकायत हेतु नियुक्ति प्राधिकारी से पूर्व अनुशंसा इस व्यवस्था को कमजोर बनाती है

2. राजनीति के संबंध में-

* राजनीति - नौकरशाही गठजोड़ को तोड़ने हेतु
* राजनीति में अपराधीकरण को रोकने हेतु
* राजनीति में शुचिता शासन में शुचिता का आधार तय करती है

आपराधिक न्याय प्रणाली की सुदृढ़ता शासन को अधिक जवाबदेह व उत्तरदायी बनाने में सहायता करेगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) जब लोक प्रशासकों पर नियंत्रण कमज़ोर होता है तथा राजनीतिक कार्यकारिणी एवं नौकरशाही के मध्य शक्ति का वितरण अस्पष्ट होता है तो भ्रष्टाचार की गुंजाइश बढ़ जाती है। सिद्ध कीजिये। (150 शब्द) 10

The scope for corruption increases when control on the public administrators is fragile and the division of power between political executive and bureaucracy is ambiguous. Justify. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लोक प्रशासकों पर नियंत्रण से आशय लोक प्रशासकों के कार्यों व कर्तव्यों की जांच, नियमन, निगरानी से है ताकि उन्हें उत्तरदायी ठहराया जा सके।

भारत में राजनीतिक कार्यपालिका के रूप में मंत्री व नौकरशाही के रूप में सिविल सेवा मौजूद है। दोनों के बीच शक्ति का विभाजन निम्न रूप में है।

सिविल सेवा	राजनीतिक कार्यकारिणी
राजनीतिक कार्यपालिका द्वारा लिए गए निर्णयों, नीतियों, योजनाओं का क्रियान्वयन	लोक ~~कल्याणी~~ कल्याणकारी राज्य के रूप में नीतियों योजनाओं का निर्माण

लोक प्रशासकों पर नियंत्रण कमजोर होने से उत्तरदायित्व व जवाबदेहिता कमजोर होती है। यह जवाबदेहिता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संवैधानिक मूल्यों, जनहित की ओर ना होकर राजनेता की ओर होने लगती है

शक्ति विभाजन कमजोर :-

* राजनीतिक प्राधिकारी सिविल सेवा के कार्यों में हस्तक्षेप करते हैं। यथा UP में कावड़ियों पर फूल बरसाने का निर्णय आदेश सिविल सेवकों को दिया गया।
* सिविल सेवक सत्ताधारी दल के फायदे में निर्णय लेते हैं। अक्सर चुनावों के समय ऐसा देखा जाता है
* राजनीति - नौकरशाही गठजोड़ भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है
* गैर - तरफदारी जैसे मूल्यों में कमजोरी आती है

सिविल सेवकों में सेवा के प्रति समर्पण, गैर तरफदारी जैसे मूल्यों का सृजन कर उनकी जवाबदेहिता को जनकल्याण व संविधान के प्रति बनाया जा सकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "हर साधन से अपनी संपत्ति अर्जित करो, परंतु यह समझो कि तुम्हारे द्वारा अर्जित धन तुम्हारा नहीं, समाज का है।" महात्मा गांधी के इस कथन का भारत में कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

"Earn your wealth by all means. But understand your wealth is not yours; it belongs to society." Analyse this statement of Mahatma Gandhi with reference to present state of corporate governance in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महात्मा गांधी जी ने पूंजीवादी व समाजवादी व्यवस्था के मध्यम मार्ग (समन्वय कर) न्यासिता का सिद्धांत दिया। ~~सबका~~ जिसमें कॉरपोरेट को न्यासी करार देकर जनता की भलाई की दिशा में कार्य करने को प्रेरित किया।

वर्तमान स्थिति के संदर्भ में गांधीजी का सिद्धांत-

* वर्तमान कारपोरेट शासन लाभ के महत्त्वाकांक्षा के दौर से गुजर रहा है जिससे समाज पर पर्यावरणीय, आर्थिक, सामाजिक प्रभाव पड़ रहा है।
* इस दौड़ में अपने कर्मचारियों को निम्न वेतन, कार्यस्थल की चुनौतीपूर्ण संस्कृति समाज में आर्थिक शोषण को बढ़ावा दे रही है।
* पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं किए जाने से प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग से समाज प्रभावित हो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रहा है।

* यद्यपि CSR जैसी व्यवस्थाएँ कॉरपोरेट की सामाजिक जिम्मेदारियों को तय करती हैं किंतु यह सीमित कम्पनियों पर लागू है साथ ही इसके प्रभाव भी सीमित है यथा केवल शिक्षा पर खर्च किया जाना

* कारपोरेट में समाज के संवेदनशीलता का विकास

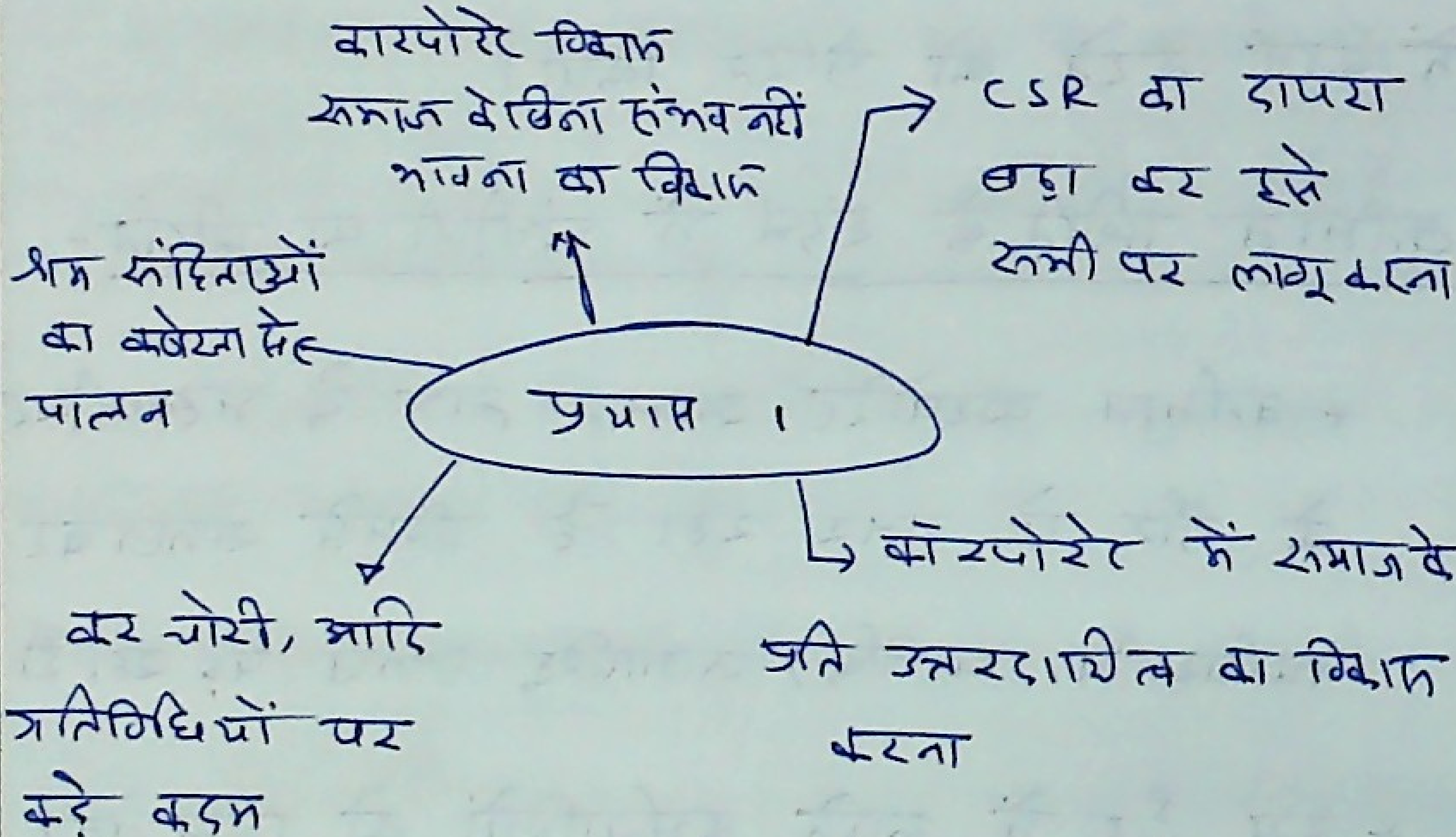

कारपोरेट को यह समझना होगा कि उनका अस्तित्व समाज के अस्तित्व के साथ जुड़ा है उन्हें एक दायित्व दिया गया है जिसका पालन उन्हें करना चाहिए।

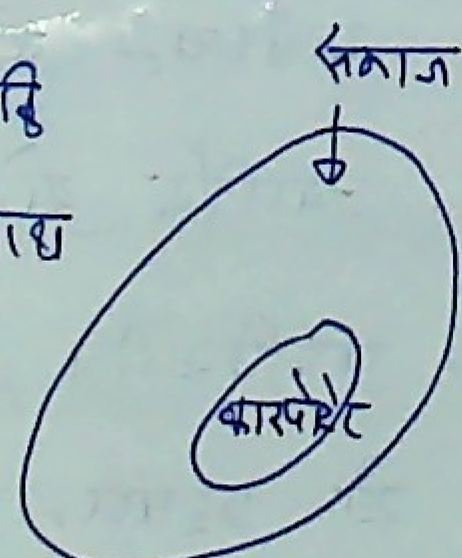

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (a) सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम एक पथ प्रदर्शक विधान है, जो गोपनीयता के अंधकार से पारदर्शिता के युग में प्रवेश का संकेत देता है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Right to Information (RTI) Act is a path-breaking legislation which signals the march from darkness of secrecy to the dawn of transparency. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सर्वोच्च न्यायालय ने अभिव्यक्ति के स्वतंत्रता के अधिकार अनु. 19(1) के तहत सूचना के अधिकार को मूल अधिकार के रूप में मान्यता दी जिसे वैधानिक रूप में सूचना के अधिकार अधिनियम-2005 के रूप में स्थापित किया गया।

सूचना के अधिकार के प्रावधान-

* यह अधिनियम जनता को जानने का अधिकार देता है
* लोक सेवकों, लोक प्राधिकरणों से जनता आवश्यक सूचनाओं की मांग कर सकती है
* निश्चित समय सीमा
* नहीं दिए जाने की स्थिति में दंड की व्यवस्था
* CIC, SIC के रूप में अपीलीय तंत्र।

ब्रिटिश शासन में गोपनीयता शासन का हिस्सा था जिसका कारण उपनिवेशवाद, उनके आर्थिक स्वहित थे तथा भारतीय जनता को निरक्षर व अक्षम समझा जाता था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

RTI कानून बदलते परिवेश में इस प्रवृति से बाहर निकालता है। यह पारदर्शिता को बढ़ावा देता है जिसके कई उदाहरण हैं। RTI के माध्यम से शासन में निहित भ्रष्टाचारों, अनियमितताओं, घोटालों, का खुलासा हुआ है।

* लोक परियोजनाओं में धन के लीकेज का खुलासा हुआ है
* इसने पारदर्शिता स्थापित कर लोक सेवा को अधिक उत्तरदायी बनाया है

यद्यपि गोपनीयता कानून पर RTI को वरीयता प्रदान की गयी है किंतु अभी भी राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा, व निजी सूचना के नाम पर पारदर्शिता की कमी बनी हुई है।

शासन तंत्र की सफलता में पारदर्शिता व जवाबदेहिता महत्वपूर्ण अंग है, RTI ने दोनों में सुधार लाने का प्रयास किया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) प्रशासनिक व्यवहार समाज की सामान्य संस्कृति की एक उप-संस्कृति है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The administrative culture is a sub-culture of the common culture of the society. Critically examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में सिविल सेवा ब्रिटिश उपनिवेशवाद का उत्पाद्य है। संस्कृति से तात्पर्य एक विशिष्ट वर्ग द्वारा किए गए क्रियाकलापों से है। प्रशासनिक व्यवहार के संदर्भ में दो प्रकार की अवधारणा देखने को मिलती है

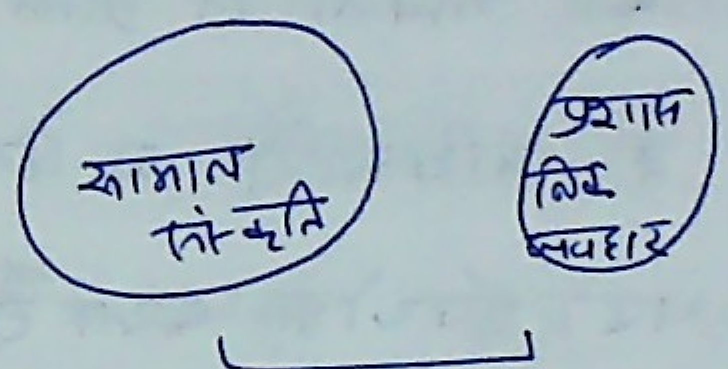

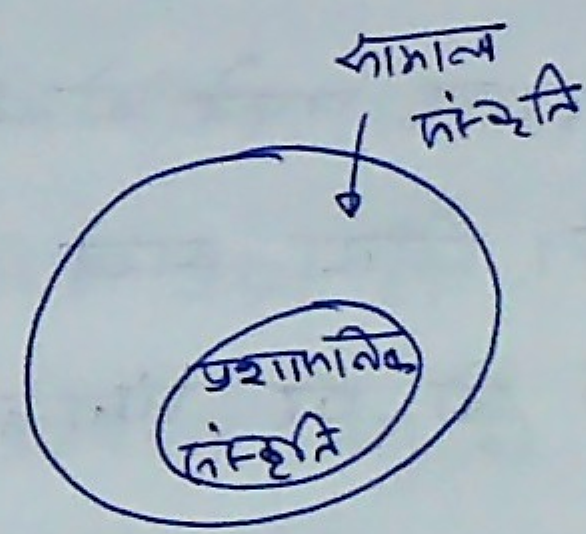

ब्रिटिश अवधारणा
दोनों अलग अलग रूप में

आदर्श अवधारणा
सामान्य संस्कृति के उप उत्पाद के रूप में

सिविल सेवा औपनिवेशिक दौर में अंग्रेजों के हाथ में थी जो अपनी संस्कृति को भारत की सामान्य संस्कृति से श्रेष्ठ समझते थे तथा अलग समझते थे।

किंतु प्रशासनिक संस्कृति सामान्य संस्कृति का उप विभाजन है-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्योंकि

(i) इस संस्कृति के व्यक्तियों का चुनाव उसी समाज से किया जाता है

(ii) इनका उत्तरदायित्व उसी संस्कृति का कल्याण है।

वर्तमान में इसके मिश्रित उदाहरण देखने को मिलते हैं। यद्यपि उपनिवेशवादी अवधारणा में शिथिलता आयी है किंतु अभी भी यह वर्ग कुछ हद तक अपने को श्रेष्ठ मानने की भावना से ग्रसित है। जिसका कारण प्राधिकार व अधिकारों का होना है जो वह समाज के लोगों पर उपयोग करता है।

जनकल्याण की भावना में कमी, उत्तरदायित्व के मूल्य की कमजोरी दोनों संस्कृतियों के अलगाव को बढ़ाते हैं। जिसके कारण ही असंवेदनशीलता देखने को मिलती है। जन उत्तरदायित्वों का कर्त्तव्यता से पालन, संवेदनशीलता, समानुभूति, प्रतिबद्धता जैसे मूल्य इनको परस्पर सम्बद्ध बनाने में सहायक होंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) निगमित (कॉर्पोरेट) सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं है बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate Social Responsibility (CSR) is not just a social responsibility but a moral obligation too. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सी.एस. आर से तात्पर्य कानून के रूप से अपने लाभांश का एक हिस्सा समाज के कल्याण के लिए व्यय किया जाना चाहिए।

CSR सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में-

* CSR का उपयोग समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण आदि के लिए किया जाता है।
* इसका उद्देश्य सामाजिक उत्थान होता है।
* इससे समाज के वंचित, पिछड़े व निशक्तजनों को लाभ होता है।
* समाज की ही अभिव्यक्ति कानून होता है अतएव कानून व्यवस्था है।

CSR नैतिक उत्तरदायित्व के रूप में-

* नैतिकता का क्षेत्र व्यापक है यह केवल समाज तक सीमित नहीं है। CSR का क्षेत्र

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पर्यावरण की रक्षा, संरक्षण तथा संवर्द्धन तक है अतएव नैतिक व्यवस्था है।

* नैतिक व्यवस्था का सिद्धांत कहता है कि जिनसे लाभ लिया गया है उसको भुगतान होना चाहिए। संसाधनों पर सभी का अधिकार है जिसका उपयोग कॉरपोरेट द्वारा किया जाता है जिसका उत्तरदायित्व उस समाज के प्रति CSR के रूप में अभिव्यक्त होता है।

* CSR एक व्यापक अवधारणा है जो समाज सापेक्ष है किंतु इसका क्षेत्र पूरे पारिस्थितिकी से जुड़ा है। सामाजिक उत्तरदायित्व इसका एक पक्ष है जो व्यापक अर्थों में नैतिक व्यवस्था है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) लोक सेवा वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार की जाँच तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिये ई-शासन महत्त्वपूर्ण है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

e- Governance is vital for checking corruption and enhancing transparency in the public service delivery system. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ई. शासन से तात्पर्य शासन व्यवस्था में ICT तंत्रों व उपकरणों यथा मोबाइल, कम्प्यूटर, सॉफ्टवेयर आदि का उपयोग है।

लोक सेवा वितरण में भ्रष्टाचार की जांच में ई. शासन

* ई. शासन वस्तुओं व सेवाओं को ट्रैक करने में सहायता प्रदान करता है जिससे वस्तु व सेवा के उद्गम से अंतिम लाभार्थी तक पंहुच का रिकॉर्ड रखा जा सकता है।
* यह लीकेज को पहचान कर दूर करता है।
* उदा. छत्तीसगढ़ में PDS तंत्र में ई. शासन से लीकेज को 50% कम करने में सहायता मिली
* मनरेगा में लाभार्थी की पहचान में ICT के उपयोग से फर्जी लाभार्थियों का पता लगाया जा सका

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* DBT इसी की कड़ी है जिससे धन सीधे लाभार्थियों तक पंहुचता है और मध्यस्थों को भ्रष्टाचार करने का मौका नहीं मिलता।
उदा० घरेलू गैस आपूर्ति में DBT ने लीकेज [illegible] को बचाया है

ICT पारदर्शिता को बढ़ावा देता है

* पारदर्शिता से तात्पर्य वितरण से जुड़ी सूचनाओं का जनता तक पंहुच है
* ई. शासन लाभार्थी को मिलने वाले लाभों की सूचना प्रदान करता है।
* उदा० राशन के वितरण के संदर्भ में दुकानों पर कितना व कब राशन पंहुचा पर लाभार्थी के मोबाइल पर जानकारी मिलना
* पंजीकरण दस्तावेजों पर प्रगति का पता लगाना।

ई. शासन एक व्यापक अवधारणा है जिसका एक प्रमुख लाभ लोक सेवा वितरण में हुआ है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. 'अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मूल मुद्दा यह है कि किसी एक के हितों के साथ दूसरे के मूल्यों का मिलान कैसे किया जाए।' विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

A basic issue in international relations is how to reconcile one's interests with values one professes. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

एक प्रसिद्ध कथन है - " अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में ना कोई स्थायी मित्र होता है ना ही स्थायी शत्रु; आपके हित स्थायी होते हैं।" यही राष्ट्रीय हितों की वरीयता एक दूसरे के हितों में प्रतिस्पर्धा उत्पन्न करती है।

देशों के अपने अपने राष्ट्रीय हित हैं और अलग अलग राष्ट्रों की आवश्यकताएं अलग अलग हैं अतएव सभी के हितों को एक ही प्लेटफॉर्म पर कैसे लाया जाए यह अंतर्राष्ट्रीय संबंधों व नैतिकता का प्रमुख मुद्दा रहा है। इसे वैश्विक उदाहरणों से समझा जा सकता है

* विश्व में आर्थिक असमानता है और विश्व वैश्वीकरण के दौर से गुजर रहा है। विकसित, विकासशील, अल्प विकसित, अविकसित राष्ट्रों के समान हित नहीं हो सकते यथा WTO में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृषि पर सब्सिडी का मुद्दा

* पर्यावरण के क्षेत्र में विकसित राष्ट्र अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी नहीं ले रहे हैं तथा विकासशील राष्ट्र विकास बनाम पर्यावरण के द्वन्द्व से गुजर रहे हैं।

* इसका प्रभाव संरक्षणवादी व्यवहार के रूप में देखने को मिलता है सभी देश इस ओर बढ़ रहे हैं।

* परमाणु ऊर्जा पर अंतर्राष्ट्रीय राजनीति इसका जीता जागता उदाहरण है

यद्यपि राष्ट्रीय हित अलग अलग है किंतु इन्हें साझा बनाने के लिए आन्तरिक व बाह्य प्रयासों की आवश्यकता है आन्तरिक रूप से "वसुधैव कुटुंबकम" तथा बाह्य रूप से UN, WTO जैसी संस्थाओं के माध्यम से संभव बनाया जा सकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. लोक सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित पदों की प्रासंगिकता का उदाहरण सहित परीक्षण कीजिये: (150 शब्द) 10

Examine the relevance of the following in the context of civil service by citing relevant examples: (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(a) लक्ष्य के प्रति सत्यनिष्ठा

Honesty of purpose

जिन उद्देश्यों का निर्धारण किया गया है उन्हें पूरा करने में सत्यनिष्ठा।

उदा० किसी सिविल सेवक को 2000 लोगों का फीडबैक लेने का लक्ष्य दिया गया किंतु यदि वह फर्जी तरीके से बिना फीडबैक लिए लक्ष्य पूरा करे तो लक्ष्य के प्रति सत्यनिष्ठा का अभाव कहा जाएगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) जवाबदेहिता

Accountability

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपने द्वारा लिए गए निर्णयों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना। यह जवाबदेहिता उच्चस्थ प्राधिकारी, संवैधानिक मूल्यों या जनता के प्रति हो सकती है।

उदा० यदि सिविल सेवक अपने निर्णय के आधारों तर्कों को सार्वजनिक करता है तो उसे जवाबदेह कहा जाएगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) विधि का शासन

Rule of law

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विधि के शासन से तात्पर्य कानून की नजर में समानता से है। विधि/कानून के आधार पर निर्णयों को लेना विधि का शासन है

उदा०
सिविल सेवक किसी उच्चस्थ अधिकारी, राजनेता की गैर कानूनी सलाह को नहीं मानकर कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करे तो वह विधि के शासन मूल्य की रक्षा करता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(d) हित-संघर्ष

Conflict of interest

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जब निजी हित व लोक हित के मध्य टकराव हो तो उसे हितों का संघर्ष कहा जाता है मूल्य के रूप में लोक हित को निजी हित पर वरीयता दी जानी चाहिए।

उदा० यदि सिविल सेवक ऐसी नियुक्ति प्रक्रिया के प्रमुख हैं जिसमें उनका करीबी रिश्तेदार भी उम्मीदवार है तो इसे हितों का संघर्ष कहा जाएगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(e) प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत

Principles of natural justice

प्रकृति द्वारा प्रदत्त अधिकारों के आधार पर न्याय करना प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत कहलाता है। जो किसी नियम, प्रक्रिया, कानून के से संबद्ध नहीं होता।

Eg. सिविल सेवक यदि किसी वृद्ध अनाश्रित को दस्तावेजों के अभाव में भी किसी योजना के लाभों से वंचित न करे तो वह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों पर ऐसा कर रहा है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिये क्या अर्थ है?

What do each of the following quotations mean to you in the present context?

(a) "न्याय-परायणता शांति तथा सुशासन की आधारशिला है।" -कन्फ्यूशियस (150 शब्द) 10

"Righteousness is the foundation stone of peace and good governance." – Confucius (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शांति से तात्पर्य टकराव, अस्थिरता, तनाव की अनुपस्थिति है तथा सुशासन आधुनिक संदर्भों में उभरी अवधारणा है जिसका तात्पर्य शासन तंत्र की प्रभाविकारिता तथा दक्षता से है

'न्यायपरायणता' का संबंध न्याय से है जिसमें जिस व्यक्ति को जो मिलना चाहिए था व उसकी प्राप्ति से है। यह समता, स्वतंत्रता आदि मूल्यों का आधार है।

वर्तमान संदर्भों में देखें तो नक्सलवाद व अलगाववाद शांति व सुशासन के लिए खतरा है जिसका कारण न्यायपरायणता का अभाव है। संसाधनों का लाभ न्यायपरायण नहीं होने के कारण ऐसा देखा जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* न्याय व्यवस्था के कमजोर व कम प्रभावी होने से कई आंदोलनों का उद्भव होता है यथा बलात्कार होने पर दोषी को सजा न मिलने पर जन आंदोलनों का होना

* यदि न्यायपरायणता को स्थापित किया जाए तो सुशासन व शांति स्थापना की जा सकती है यथा राज्यों की मांगों को स्वीकार किया जाना उदा- तेलगांना।

* न्यायोचित मांगों को स्वीकारना शांति व सुशासन को बढ़ावा देता है यथा न्यूनतम मजदूरी को कानूनी मान्यता उद्योग व श्रमिकों के मध्य टकराव कम करता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) "मैं लोकतंत्र को ऐसी वस्तु के रूप में समझता हूँ, जो कमज़ोर को भी मज़बूत के समान ही मौका देती है।" - महात्मा गाँधी (150 शब्द) 10

"I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." – Mahatma Gandhi (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोकतंत्र शासन की ऐसी व्यवस्था है जिसमें जनता का, जनता के लिए जनता द्वारा शासन होता है" भारत एक लोकतंत्र है जिसमें कमजोर व मजबूत को समान मौका प्राप्त है। जिन्हें समानता के अधिकार द्वारा स्थापित किया गया है

* भारत में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्राप्त है जिसमें सभी के मतों का मूल्य समान है भले ही वह कमजोर हो या मजबूत।

* राजनीतिक प्रमुख, जनप्रतिनिधि बनने का अधिकार सभी को प्राप्त है

* लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होती है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार होता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* यह भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था ही थी जिसने सामाजिक ~~स्तरीकरण~~ की कठोरता मे कम किया है

* लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण तत्व विशेषाधिकारों की अनुपस्थिति होती है भारत में सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हैं।

* सं. राज्य अमेरिका में लोकतंत्र की स्थापना हुई थी जिसका परिणाम विश्व शक्ति के रूप में उदय है

यद्यपि लोकतंत्र को कभी कभी भीड़ तंत्र कहकर आलोचित किया जाता है जरूरी नही जो बहुमत हो वह सही हो।

व्यापक अर्थ में लोकतंत्र जनता का तंत्र है जिसमें एक अर्थ राजनीतिक संदर्भ है जिसमें कमजोर व मजबूत का फासला कम होता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(c) "बिना हृदय को शिक्षित किये मस्तिष्क को शिक्षित करना, कोई शिक्षा नहीं है।" -अरस्तू (150 शब्द) 10

"Educating the mind without educating the heart is no education at all". –Aristotle (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हृदय को शिक्षित करने का अभिप्राय मूल्य आधारित शिक्षा है इसे आन्तरिक रूप से शिक्षा भी कहा जाता है बाह्य शिक्षा को मस्तिष्क की शिक्षा ~~कहना~~ कहा जा सकता है

वर्तमान संदर्भों में देखें तो मूल्यविहीन शिक्षा कई समस्याओं को जन्म देती है यह समाज के लिए घातक है। गांधीजी ने इसे अंतरात्मा की आवाज के रूप में कहा है

मस्तिष्क आधारित शिक्षा से तात्पर्य ज्ञान आधारित शिक्षा है किंतु हृदय में धारण करने से वह व्यवहार में दृष्टिगत होती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यथा सिविल सेवा में नैतिक मूल्यों का प्रशिक्षण करवाकर उन्हें शिक्षित किया जाता है किंतु वह व्यवहार में परिलक्षित नहीं होता क्योंकि वह हृदय में धारण नहीं किया जाता।

ज्ञान आधारित शिक्षा संसाधनों के प्रति दोहन; पर्यावरणीय चिंताओं, शोषण आदि को बढ़ावा देती है जबकि मूल्य आधारित शिक्षा समाज ~~ब~~ में शांति व सबका विकास सुनिश्चित करती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. आदिवासी, समाज की मुख्य धारा से अलग रहने वाले लोग हैं, जो अपनी विशिष्ट संस्कृति एवं रहन-सहन के लिये जाने जाते हैं। ये हमेशा से आकर्षण के केंद्र रहे हैं। न केवल देशी बल्कि विदेशी पर्यटक भी इनकी संस्कृति को जानने के लिये उत्सुक रहते हैं। सरकार द्वारा कानून बनाकर इनकी स्वायत्तता को सुनिश्चित किया गया है। इस कानून के अनुसार, कोई भी व्यक्ति आदिवासियों के वासस्थल पर नहीं जा सकता है, किंतु स्थानीय मछुआरों द्वारा अवैध तरीके से विदेशियों से अधिक पैसा लेकर उन्हें आदिवासियों के क्षेत्रों में पहुँचाया जाता है। कुछ धर्म प्रचारक भी वहाँ अपने धर्म का प्रचार करने का प्रयास कर रहे हैं। यह मामला प्रकाश में तब आया, जब एक विदेशी व्यक्ति की आदिवासियों द्वारा हत्या कर दी गई, जिसने अवैध तरीके से आदिवासियों के इलाके में प्रवेश किया था।

इस संदर्भ में सरकार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित की गई है। आदिवासी मामलों के जानकार होने के नाते आपको उस टीम का नेतृत्व दिया गया है, जिसे कानून के उल्लंघन की जाँच एवं इन अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के प्रति अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी है। इस समस्या के संदर्भ में उठाए गए तात्कालिक और दीर्घकालिक कदमों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20

Tribals are people living separately from mainstream society, who are known for their distinct culture and lifestyle. They are always the centre of attraction. Not only native but also foreign tourists are eager to know about their culture. Their autonomy has been ensured by the Government by enacting a law. According to this law, nobody can go to the homestead of the tribals. But foreign tourists are illegally charged exorbitantly and are taken to tribal areas by the local fishermen. Also, some religious preachers are trying to propagate their religion. The matter came to light when a foreigner, who had illegally entered the tribal area, was murdered by tribals.

A team has been formed through quick action of the government in this connection. As an expert in tribal affairs, you have been given the leadership of the team, which has to investigate violations of law and recommend disciplinary action against those indulging in these illegal activities. Suggest the immediate and long-term steps that can be taken with respect to this problem. (250 words) 20

आदिवासी समाज की विशिष्टता, संस्कृति, परम्पराओं की अक्षुण्णता प्रदान करने हेतु भारतीय संविधान द्वारा इसे मूल अधिकारों के रूप में गारंटी प्रदान की गयी है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

टीम के नेतृत्व कर्ता होने के नाते मुझे निम्न उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना है

* संवैधानिक मूल्यों, मूलाधिकारों, विधि के शासन की रक्षा करना
* कानून का उल्लंघन को तत्काल प्रभाव से रोकना तथा दोषियों को दंडित करना
* भविष्य में ऐसी घटनाएं ना घटे इस हेतु सुरक्षापायों की व्यवस्था करना।

ऐसी घटना पर कार्यवाही से पहले मुझे यह समझना होगा कि ऐसी घटनाएं क्यों होती हैं। इसके निम्न प्रमुख कारण हैं-

(*) आम जनता में आदिवासियों समुदाय की संस्कृति, संवेदनशीलता, सुभेद्यता के संदर्भ में जानकारी का अभाव

(*) यह जानकारी का अभाव इन्हें समुदाय पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभावों पर ध्यान्वित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लाभ को वरीयता देता है। जैसा मछुवारो द्वारा किया जा रहा है

* पर्यटकों व स्थानीय समुदाय को कठोर कानूनों के संबंध में जानकारी ना होना इनके दंडो आदि के संबंध में जानकारी ना होना

* कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन ना होना

* जनता में आदिवासियों के प्रति संवेदनशीलता की कमी।

इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए मैं निम्न प्रक्रिया अपनाऊंगा

* तत्कालिक रूप से किसी भी पर्यटक की आवाजाही पर रोक लगाकर कठोर निगरानी की व्यवस्था करूंगा।

* जिन व्यक्तियों व प्राधिकारियों की वजह से घटना हुई है उनकी जांच हेतु समिति बनाकर घटना की जांच पड़ताल करूंगा। यह मेरे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नियंत्रण व निगरानी में सम्पन्न कराऊंगा।

* दोषी पाए गए अधिकारियों को नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु दंडित करूंगा।

* दोषी पाए गए सामान्य नागरिकों पर भारतीय कानून के अनुसार प्रक्रिया का पालन प्रारंभ कराऊंगा।

* धर्म प्रचारकों की आदिवासी क्षेत्र में गतिविधि पर तुरंत रोक लगाऊंगा।

* मैं दोषियों को कठोर दंड दूंगा ताकि भविष्य में यह प्रतिरोध की तरह कार्य करे।

दीर्घकालिक समाधान-

* स्थानीय मछुवारों, स्थानीय जनता तथा धर्म प्रचारकों को कानून तथा दंड व्यवस्था के संदर्भ में जागरूकता अभियान की आवश्यकता है इस हेतु स्थानीय अखबार, रेडियो, स्थानीय नेताओं की मदद ली जा सकती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* पर्यटकों तक जानकारी पहुँचाने हेतु सार्वजनिक स्थलों, होटलों, मनोरंजन स्थलों पर सूचनाएँ उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा सकता है।

* आदिवासी क्षेत्रों के सभी एंट्री बिंदुओं पर "प्रतिबंधित क्षेत्र" के बोर्ड लगाए जाएँगे।

* जनता को आदिवासी समुदाय की संवेदनशीलता के प्रति अवगत कराने हेतु NGO, विद्यालयों में कॉलेजों में वर्क शॉप, नुक्कड़ नाटक, आदि का आयोजन कराया जा सकता है।

* आदिवासी नेताओं से सम्पर्क कर कानून अनुपालन ना होने की स्थिति में उचित प्राधिकारी से सम्पर्क करने की सलाह दूंगा तथा पर्याप्त संपर्क सूत्र स्थापित करूंगा।

यह प्रक्रिया अपनाकर मैं जनजातीय संस्कृति को संरक्षित रखने की दिशा में प्रयास कर संवैधानिक मूल्यों, विधि के शासन की पुनर्स्थापना करूंगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. लोकसेवकों का यह कर्त्तव्य है कि लोगों की सेवा ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं ज़िम्मेदारी के साथ करें। लोकसेवकों में इन्हीं मूल्यों को अंतर्निविष्ट करने के लिये सिविल सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी नीतिशास्त्र विषय को शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त गतिविधियों के माध्यम से सिविल सेवकों को इसके लिये तैयार किया जाता है। इसके बावजूद सेवा में शामिल होने के पश्चात् कई लोकसेवकों को नैतिक पथ से विचलित होकर अवैध एवं भ्रष्ट व्यवहार में संलिप्त होते हुए देखा गया है। लोकसेवकों में बढ़ती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये कार्मिक मंत्रालय द्वारा एक बोर्ड का गठन किया गया है तथा एक वरिष्ठ लोकसेवक होने के नाते आपको उसका चेयरमैन बनाया गया है। इसी दौरान जाँच एजेंसियों द्वारा एक लोकसेवक के अवैध भू-आवंटन से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में संलिप्त होने की पुष्टि की गई। लोकसेवा की आड़ में करोड़ों की व्यक्तिगत संपत्ति का संग्रह करना लोकसेवकों के नैतिक पतन का परिचायक है।

लोकसेवकों में उभरती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गए हैं? इस समस्या के संदर्भ में आप क्या उपाय सुझाएंगे? (250 शब्द) 20

It is the duty of the public servants to serve the people with honesty, integrity and responsibility. Ethics has also been incorporated in the syllabus of civil services examination to inculcate these values in public servants. Also, civil servants are prepared for the same through additional activities during training. Despite this, many public servants after joining the service have been found deviating from the moral path and indulging in illicit and corrupt practices. A board has been constituted by the Ministry of personnel to check this growing trend in public servants. As a senior public servant, you have been made its Chairman. Meanwhile, a public servant was confirmed to be involved in the corruption related to illegal land allotment by the investigating agencies. The embezzlement of millions in personal property under the guise of public service is a reflection of the moral decay of public servants.

What efforts have been made by the Government to check this rising trend in public servants? What measures will you suggest in the context of this problem? (250 words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोकसेवकों में नैतिक पथ से विचलन, अवैध भ्रष्ट व्यवहार में संलिप्तता उनके नैतिक ~~भ्रष्ट~~ पतन को दर्शाती है जो मूल्यों की अनुपस्थिति के कारण है। यद्यपि नीतिशास्त्र का पठन पाठन किया जा रहा है किंतु यह लोक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सेवकों में केवल संज्ञानात्मक स्तर पर विद्यमान है। यह व्यवहारिक धरातल पर व्यक्त नहीं होता है।

लोक सेवकों के नैतिक पतन के प्रमुख कारण निम्न हैं।

* नीतिशास्त्र, नैतिक मूल्यों, आदर्शों का केवल संज्ञानात्मक स्तर पर होना।
* स्वहित व लोक हित के हित संघर्ष में स्वहित को वरीयता प्रदान करना।
* भ्रष्टाचार एक कार्य संस्कृति के रूप में मौजूद होना।
* दाता व ग्राही दोनों पक्षों द्वारा प्रेरित होना। भ्रष्टाचार एवं रिश्वत के लिए केवल इसके मांग पक्ष पर ध्यान दिया गया है इसके आपूर्ति पक्ष को भी संबोधित किया जाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* समाज द्वारा स्वीकार कर लिया जाना। भ्रष्ट तरीको से कमाए गए धन से उच्च आर्थिक समृद्धता को सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होना।

* पुरस्कार व दण्डात्मक व्यवस्था का कमजोर होना।

<u>सरकार द्वारा किए गए प्रयास</u> :-

* <u>कानूनी प्रयास</u>

  * <u>भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम</u>

    इसके तहत दण्डात्मक व्यवस्था की गयी है

  * CVC, CBI जैसी संस्थाओं को सिविल सेवको के भ्रष्टाचार के मामलों की जांच का अधिकार

  * लोकपाल व लोकायुक्त अधिनियम

  * व्हिसल ब्लोअर प्रोटेक्शन एक्ट

  * सूचना का अधिकार कानून -2005

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अन्य प्रयास

* सिविल सेवा आचरण संहिता
* सिविल सेवा नैतिक संहिता को लागू करने की योजना
* प्रतिभाशाली सिविल सेवकों को पुरस्कार।

मेरे द्वारा सुझाए गए उपाय :-

* मेरी योजना दो आधारों पर होगी

आंतरिक रूप से सिविल सेवा मूल्यों का सृजन तथा व्यवहारात्मक धरातल पर लाना	बाह्य दबाव दोषियों को दंड व प्रतिभा को पुरस्कार - कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन

[1] मूल्यों का विकास तथा व्यवहार धरातल पर लाना -

* सिविल सेवकों की अभिवृत्ति में बदलाव लाने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आवश्यकता होगी। इस हेतु प्रशिक्षण के दौरान वंचित वर्गों, लाभार्थियों के बीच प्रशिक्षण कार्यक्रम ताकि वे अपने अनैतिक व्यवहार का आशेपप्रभावी प्रभाव देख सकें तथा समानुभूति सहानुभूति, करुणा, दायित्व बोध आदि का सृजन होगा तथा आत्मसात कर पाएंगे

* आचरण की नैतिक संहिता का क्रियान्वयन

[2] कानूनी स्तर पर

* कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन, आपराधिक न्याय प्रणाली को प्रभावी बनाना,
* दोषियों को दंडित करना, ताकि भविष्य में प्रतिरोध का कार्य करें
* सिविल सेवा आचरण संहिता को कानूनी रूप से लागू करना।
* प्रतिभावान दक्ष सिविल सेवकों को पुरस्कृत करना।

इन समग्र प्रयासों से ना केवल सिविल सेवकों की मनोवृत्ति में बदलाव आएगा बल्कि मूल्यों का सृजन होकर व्यवहार स्तर पर बदलाव देखने को मिलेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

10. आप एक ईमानदार एवं कर्त्तव्यनिष्ठ लोकसेवक हैं। ज़िलाधिकारी के तौर पर आपकी नियुक्ति एक ऐसे क्षेत्र में हुई है जो धार्मिक मामले में अत्यंत संवेदनशील है। उस ज़िले में एक अत्यंत प्राचीन धार्मिक स्थल अवस्थित है, जहाँ एक धार्मिक मान्यता के कारण कम आयु वर्ग की महिलाएँ आज तक प्रवेश नहीं पा सकी हैं। यह निःसंदेह एक नागरिक के तौर पर महिलाओं को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। महिलाओं के हित में कार्य करने वाली एक संस्था ने देश के सर्वोच्च न्यायालय में उक्त भेदभाव को समाप्त करने से संबंधित याचिका दायर की, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने महिलाओं के पक्ष में निर्णय देते हुए धर्मस्थल पर उनके प्रवेश निषेध को समाप्त करने हेतु सरकार को आदेश दिया है। ज़िला स्तर पर इसका अनुपालन कराने की ज़िम्मेदारी आपको दी गई है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का कुछ धार्मिक समूहों– श्राइन बोर्ड (Shrine Board) के साथ-साथ आम लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है, जिन्हें कुछ राजनीतिक दलों का सहयोग भी प्राप्त है। उनका तर्क है कि संविधान द्वारा धार्मिक मामलों में उन्हें स्वतंत्रता प्रदान की गई है। ऐसे में कुछ महिलाएँ जो धर्मस्थल में प्रवेश का प्रयास कर रही थीं, उनको अन्य भक्तों द्वारा रोक दिया गया एवं उनके साथ बदसलूकी भी की गई और यह घोषित कर दिया गया कि जो भी महिला ऐसा करने का प्रयास करेगी, उसका खामियाज़ा उसे भुगतना होगा। ऐसे में उन महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठता है।

(a) इस प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिये।

(b) इस स्थिति में आपके समक्ष उपस्थित विकल्पों को बताते हुए उनके गुण-दोषों की चर्चा कीजिये और बताएँ कि आप किस विकल्प का चयन करेंगे? (250 शब्द) 20

You are an honest and conscientious public servant. Your appointment as a district officer has been in a region that is highly sensitive to religious matters. A very ancient religious place is located in the district where women in the lower age group have not been able to enter till today due to religious beliefs. It is, of course, a violation of the fundamental rights provided by the Constitution to women as citizens. An institution working for women's welfare filed a petition in the Supreme Court of the country to end the discrimination on which the Court, by giving a judgment in favour of women, has ordered the government to end the prohibition of admission to the shrine. You have been given the responsibility of complying with the order at the district level. The Supreme Court judgement is being opposed by some religious groups, shrine board as well as by the common people who are also being encouraged by some political parties. Their argument is that they have got freedom by the Constitution in religious matters. Some women who were trying to enter the shrine were stopped and mistreated by other devotees and it was declared that women who tried to do so will have to suffer the consequences. In this situation, the issue of safety of such women has arisen.

(a) Explain the underlying ethical issues in this episode.

(b) In this case, discuss the options available to you mentioning the merits and demerits of each option. What option will you choose and why? (250 words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अकसर कानूनी बदलावों व सामाजिक स्तर पर बदलावों के बीच एक अन्तराल विद्यमान होता है। कानूनी बदलाव तुरंत सामाजिक स्तर पर व्यक्त नहीं हो पाते जिससे इस प्रकार की समस्या का व टकराव का सामना करना पड़ता है।

(a) प्रकरण में निहित नैतिक मुद्दे -

* संविधान द्वारा प्रदत्त समानता के अधिकार की रक्षा
* न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय का पालन करवाना ताकि विधि के शासन का मूल्य प्रतिस्थापित हो
* धार्मिक समूहों की रूढ़िवादी प्रवृत्ति
* एक जिलाधिकारी के तौर पर अपने दायित्वों व कर्तव्यों का निष्पक्ष, दबाव रहित निर्वहन ताकि नेतृत्व, साहस, प्रतिबद्धता के मूल्यों को संरक्षित रख सकूं।

यहाँ समानता के अधिकार व धार्मिक स्वतंत्रता का द्वंद्व है। जिसमें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समानता को वरीयता दी गयी है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) मेरे समक्ष उपलब्ध विकल्प:-

(i) यथास्थिति बनाए रखना/तटस्थता रखना:-

गुण:- तनाव का अंत समाज द्वारा किया जाना, जिससे प्रशासन प्रत्यक्ष रूप से संलिप्त नहीं होगा।

दोष: जिलाधिकारी के रूप में मेरा उत्तरदायित्व व कर्तव्य उनकी अनुपालना करवाना। पेशेवर नैतिकता के विरुद्ध

* यह तनाव को और बढ़ा भी सकता है
* महिला समानता के आदर्श के विरुद्ध

(ii) कुछ समय तक यथास्थिति कायम करवाकर महिलाओं को समझाकर कुछ समय बाद महिलाओं को प्रवेश दिलवाना:-

गुण: यह मामले की गंभीरता को और अधिक समझने में सहायता प्रदान करेगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

साथ ही पर्याप्त तैयारियों के लिए समय देगी।
शांति व्यवस्था की स्थापना होगी व तनाव कम होगा

<u>दोष</u>:- न्याय में देरी न्याय न मिलने के समान

* न्यायालय के आदेश को तुरंत प्रभाव से लागू करना मेरी नैतिक व व्यावसायिक जिम्मेदारी है
* महिलाओं के अधिकारों के विरुद्ध क्योंकि उनके साथ बदसलूक व्यवहार किया गया है

(iii) <u>तुरंत प्रभाव से निर्णय को लागू करवाना तथा बदसलूकी के दोषियों को दण्डित करना</u>:-

<u>गुण</u>: संवैधानिक आदर्श समानता की स्थापना, विधि के शासन की स्थापना, मेरा कर्तव्य व उत्तरदायित्व पूरा होगा।

<u>दोष</u>: तनाव बढ़ सकता है, हिंसा हो सकती है।
'बल प्रयोग से प्रशासन के प्रति नकारात्मक छवि बन सकती है

यद्यपि इस विकल्प में भी दोष हैं परन्तु मैं यही

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विकल्प चुनुंगा तथा दोषों को न्यूनतम करने का प्रयास करूंगा जो निम्न प्रकार से करूंगा।

(*) धार्मिक नेताओं व राजनीतिक दलों के नेताओं से वार्तालाप कर उन्हें सर्वोच्च निर्णय के संदर्भ में बताऊंगा। एक सिविल सेवक को कानूनन कर्तव्य पालन से रोकने के परिणामों से अवगत कराऊंगा।

(*) महिलाओं के प्रतिनिधियों से बात कर उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दूंगा।

(*) मामले की गंभीरता को देखते हुए पर्याप्त ~~बल~~ दल बल जुटाऊंगा क्योंकि संभव है बल प्रयोग करना पड़े।

* महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वालों ~~को~~ के खिलाफ रजिस्टर करा कार्यवाही शुरू कराऊंगा।

संभव है कि मेरे अनुरोध को स्वीकार कर शांतिपूर्वक प्रवेश की प्रक्रिया संभव हो। नहीं होने की स्थिति में प्रशासनिक बल व अधिकारों का प्रयोग कर~~ना~~ ~~मेरी~~ न्यायालय आदेश की अनुपालना मेरा प्राथमिक कर्तव्य है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खेल मानव जीवन में सिर्फ मनोरंजन के साधन न होकर आत्म-नियंत्रण, सद्गुण, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा तथा सामाजिक शिष्टता के प्रभावी स्रोत भी होते हैं, किंतु खेल 'निष्पक्ष व्यवहार' तथा 'समान अवसर' प्रदान करने वाली भावना को तभी आगे बढ़ा सकते हैं जब खेलों में खेल नैतिकता से जुड़े मूल्यों को संवर्द्धित किया जाए तथा खेल से जुड़े लोगों द्वारा इन मूल्यों को आत्मसात् किया जाए। हाल में मीडिया में कुछ ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जिनमें खेल से जुड़े कुछ प्रमुख व्यक्तित्वों द्वारा विवादित टिप्पणी करना न केवल खेल भावना एवं खेल नैतिकता का अपमान है बल्कि सामाजिक दायित्वों की भी उपेक्षा है।

आप एक खेल विनियामक संस्था के प्रमुख हैं तथा आपको उपर्युक्त प्रकरण को ध्यान में रखते हुए खेल नैतिकता में आई इस तरह की गिरावट को दूर करने के लिये आवश्यक सुझाव देने के लिये कहा गया है। इन परिस्थितियों में आप क्या सुझाव देंगे? (250 शब्द) 20

Sports are also an effective source of self-control, virtue, tolerance, integrity and social decency and not just means of recreation in human life. But sports can promote the spirit of 'fair behaviour' and 'equal opportunities' only if games incorporate the moral values and people associated with sports inculcate these values. Recently, there has been some mention in the media where certain prominent sports personalities are giving controversial comments. It is not only insulting to the sporting spirit and sports ethics but also disregards social obligations.

You are the head of a sports regulatory body and you have been asked to give necessary suggestions to rectify decline in sports ethics keeping in view the above mentioned case. What would you suggest in these circumstances? (250 words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अवैध प्रवासन एक संवेदनशील मुद्दा है क्योंकि एक ओर मानवतावादी नजरिए से यह प्रवासियों से ~~जुड़ा~~ मानवाधिकारों से जुड़ा है तो वहीं दूसरी ओर यह स्थानीय नागरिकों के संवैधानिक व विधायी अधिकारों से जुड़ा है।

स्थानीय नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा हेतु नागरिक रजिस्टर का निर्माण किया जाना है-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(i) राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन से जुड़ी नैतिक चिंताएँ -

* मानवाधिकार बनाम नागरिक अधिकार का द्वन्द्व
* नागरिकों की निष्पक्ष रूप से पहचान करना नागरिक व प्रवासी के बीच वस्तुनिष्ठ आधारों पर अन्तर करना
* दस्तावेजों के अभाव में नागरिक का शामिल न होने की संभावना
* फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से प्रवासियों का सम्मिलित होना।
* शांति एवं लोक व्यवस्था बनाए रखना।
* कानून का पालन करते हुए विधि के शासन को सुरक्षित रखना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this mar[gin])

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समस्या के समाधान हेतु उपाय:-

* यह समस्या मूल रूप से हितों के संघर्षों पर आधारित है। स्थानीय लोग प्रवासियों को उनके सामाजिक आर्थिक लाभों के प्रतिस्पर्धी के रूप में देखते हैं।

* मेरा प्रयास दोनों के टकराव को कम करना है। स्थानीय लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए नागरिक रजिस्टर है जिसे अद्यतन किया जाना है।

* मैं सरकार को प्रवासियों के कुछ मानवाधिकारों की रक्षा के संदर्भ में सिफारिश करूंगा।

* अवैध प्रवासियों को वापस भेजने की नीति पर सरकार को सलाह दूंगा।

* भविष्य में प्रवासियों की संख्या में बढ़ोत्तरी न हो सके इसके लिए सीमा सुरक्षा व चिह्नित सीमा पर तुरंत कार्यवाही करने की सलाह दूंगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this mar[gin])

* स्थानीय नेताओं व जनप्रतिनिधियों से मिलकर नागरिक रजिस्टर से संबंधित सभी आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करूंगा तथा समर्थन की अपील करूंगा।

* दस्तावेजों की गहराई से जांच करवाने का आदेश दूंगा ताकि फर्जी आंकड़ों की पहचान हो सके।

* दस्तावेजों के अभाव से जो शामिल नहीं हो पा रहे हैं उनके लिए विशेष व्यवस्था कर उनकी नागरिक व स्थानीय निवासी होने की पहचान करवाने का प्रयास करूंगा।

* जनता का सरकार में विश्वास को कायम रखना एक प्रशासनिक अधिकारी का कर्तव्य है यह तभी संभव है जब एक समग्र नीति व कार्य योजना का पालन किया जाए। मैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आतिथ्य के प्रवासन को रोककर तथा वर्तमान नागरिकों के आंकड़ों को अद्यतन कर भविष्य के तनाव से रोकूंगा।

इस कार्ययोजना का पालन कर मैं जनता की सरकार में विश्वास बहाली, विधि के शासन तथा अपनी नैतिक व प्रशासनिक जिम्मेदारियों को पूरा करूंगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517

12. भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में अवैध प्रवासन एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। इस मुद्दे के समाधान के लिये वर्तमान सरकार असम जैसे राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अद्यतन बनाने का प्रयास कर रही है। इस प्रयास से अवैध प्रवासियों की पहचान हो सकेगी तथा वैध नागरिकों के लिये संसाधनों को सुरक्षित किया जा सकेगा और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को भी कम किया जा सकेगा, किंतु राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन के साथ कई नैतिक एवं विधिक चिंताएँ भी उभरती हैं तथा यह रजिस्टर प्रवासन की समस्या के एक सीमित पक्ष को ही संबोधित करने में सक्षम है। आपको राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर से जुड़ी समस्याओं तथा अवैध प्रवासन की चुनौती से निपटने हेतु सलाह देने वाली समिति का अध्यक्ष बनाया गया है तथा आपसे यह अपेक्षा है कि आप अपने सुझावों में समस्या से जुड़े विषयों को समग्र रूप से संबोधित कीजिये।

उपर्युक्त परिस्थितियों में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन से जुड़ी नैतिक चिंताओं को बताते हुए अपने द्वारा समस्या के समाधान हेतु प्रस्तुत किये जाने वाले नवीन उपायों की चर्चा कीजिये।

(250 शब्द) 20

Illegal migration has been a sensitive issue in the north-eastern states of India. To address this issue, the present Government is making efforts to update the National Register of Citizens in a state like Assam. This effort will enable identification of illegal migrants and secure resources for legitimate citizens and also address concerns related to internal security. But with the implementation of the National Register of Citizens, many ethical and legal concerns are emerging and this register is able to address only a limited aspect of the migration problem. You have been appointed as the Chairman of the Committee for dealing with problems related to the NRC and the challenge of illegal migration, and it is expected that in your suggestions, you should address issues related to the problem in totality.

In the above circumstances, mention the ethical concerns associated with the implementation of the National Register of Citizens and discuss the new measures that are proposed to be put in place by you to address the problem. (250 words) 20

यह प्रश्न 11 का उत्तर है।

उत्तर 11

नैतिकता एक माध्यम है जो शुभ अशुभ सही-गलत, अच्छा बुरा में भेद स्थापित करती है। इसका दायरा अति विस्तृत है। यह खेलों पर भी लागू होती है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this mar

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खेल नैतिकता की आवश्यकता:-

* हितधारकों के परिप्रेक्ष्य में :-

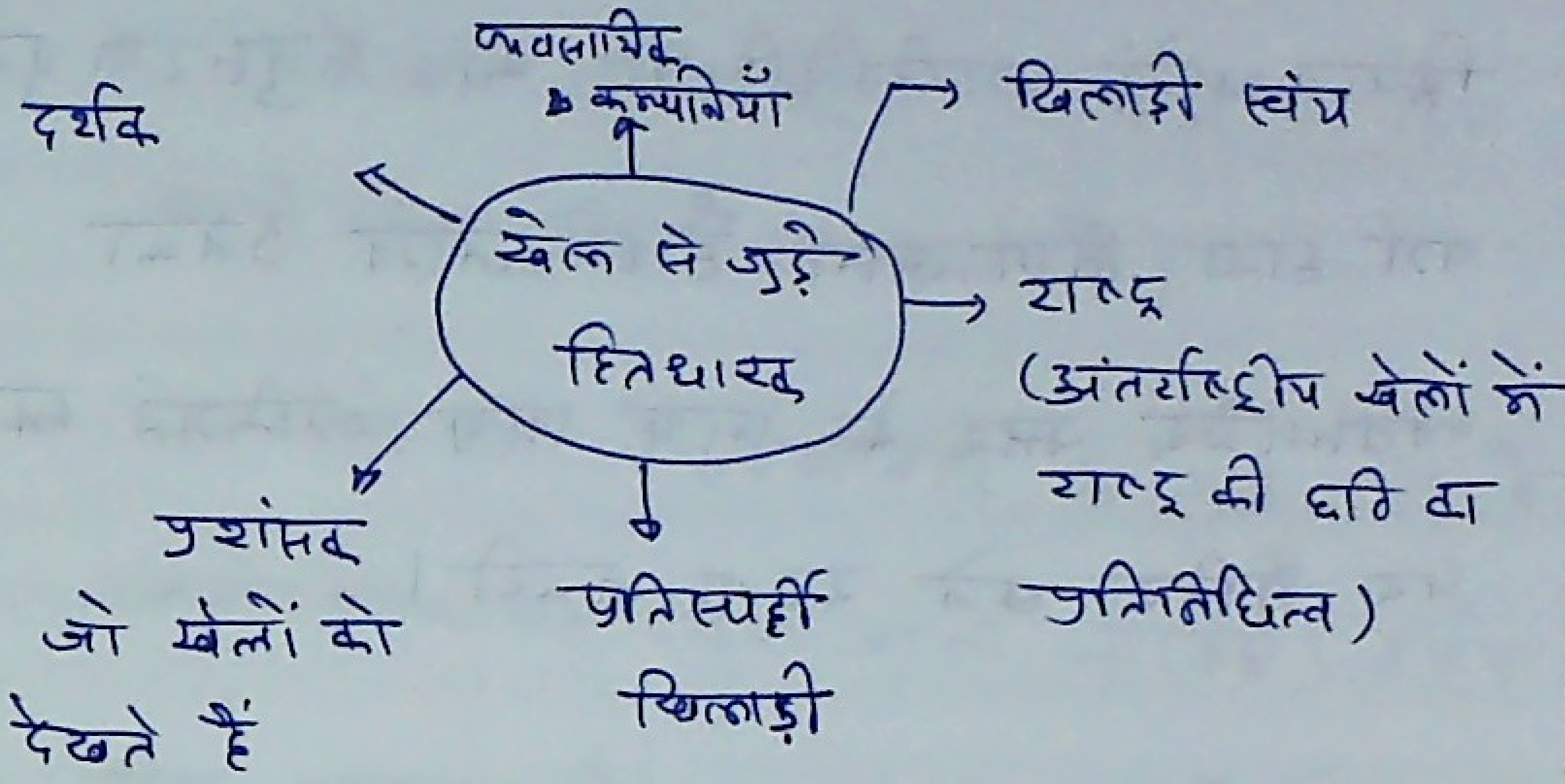

* खेल नैतिकता में गिरावट के उदाहरण नशे की दवाईयों का सेवन, मैच फिक्सिंग, व्यक्तिगत हित बनाम टीम का हित आदि के रूप में देखने को मिलता है

* इसका प्रभाव स्वयं खिलाड़ी से राष्ट्र तक विस्तृत है। प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों के साथ न्याय, राष्ट्र की छवि, जनता का खेलों के प्रति विश्वास इस क्षेत्र की नैतिकता पर बल देते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* नैतिकता का एक पक्ष खिलाड़ियों का रोल मॉडल के रूप में स्थापित होना जिनके क्रियाकलापों, गतिविधियों का अनुसरण युवा वर्ग द्वारा किया जाता है। अतएव उनका व्यावसायिक स्तर के साथ साथ व्यक्तिगत स्तर पर नैतिक बने रहना जरूरी।

गिरावट को दूर करने के सुझाव-

* खिलाड़ियों हेतु एक नैतिक संहिता का विकास किया जाना चाहिए जिसमें उन्हें खेल के मैदान व बाहरी वातावरण में आचरण के नियमों के संबंध में बतलाया जा सके।

* संस्थागत स्तर पर भी नियमों की एक सूची बनायी जा सकती है। नियमों के उल्लंघन पर दण्डात्मक व्यवस्था लागू की जाए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* खिलाड़ियों में प्रशिक्षण के दौरान मूल्यों का विकास किया जाना चाहिए। खेल प्राधिकरणों व प्रशिक्षण प्राधिकरणों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

* खिलाड़ियों में नेतृत्वशीलता का गुण होता है जिसे विकसित किया जाना चाहिए। उनमें इस भावना को जागृत किए जाने की आवश्यकता है कि वे एक रोल मॉडल की तरह हैं जिनका प्रभाव एक व्यापक समाज पर है।

* खेल नैतिकता व कानूनों का पालन नहीं करने की स्थिति में कठोर दण्डात्मक व्यवस्था होनी चाहिए यथा डोपिंग के मामले, मैच फिक्सिंग के मामले ताकि यह अन्य के लिए प्रतिरोध का कार्य करे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

* खिलाड़ियों को उनके सामाजिक दायित्वों से अवगत कराया जाना चाहिए ताकि वे अनुकरणीय व्यवहार प्रस्तुत कर सकें।

खिलाड़ियों की पहचान खेल के साथ साथ व्यक्तिगत मूल्यों की वजह से भी हो ऐसे उदाहरण प्रस्तुत कर उन्हें नैतिक बनाया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. भारत में कभी 'रैट होल माइनिंग' तो कभी 'ओपन कास्ट माइनिंग' से जुड़ी बड़ी खनन आपदाएँ होती रही हैं। इन आपदाओं के पीछे भारत में होने वाला अवैज्ञानिक, अवैध तथा असुरक्षित खनन मुख्य कारण है। जब भी ऐसी आपदाएँ देश में चर्चा का केंद्र बनती हैं तो पदासीन सरकारें तथा प्रशासन तात्कालिक स्तर पर इसका समाधान भी कर देते हैं किंतु इस तरह की आपदाओं को रोकने हेतु सतत् समाधान के प्रति उदासीनता दिखाई पड़ती है, जिससे बार-बार ये आपदाएँ घटित होती हैं। ऐसी आपदाओं के बाद एक प्रशासकीय प्रवृत्ति यह भी देखी जाती है कि इसके लिये मुख्यत: सामान्य मानवीय मूल्यों को ही दोषी ठहराया जाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में असुरक्षित खनन गतिविधियों को सरकार व प्रशासन की मौन सहमति तथा खनिकों (Miners) का इस ओर आकर्षण मुख्यत: राजस्व एवं रोजगार की प्राप्ति से जुड़ा हुआ है, किंतु इस प्रकार की गतिविधियाँ जनधन की व्यापक हानि तथा पर्यावरणीय अवनति को भी उत्पन्न करती है। अत: ऐसी आपदाओं को घटित होने से रोकने तथा घटित होने के पश्चात् इनका सामना करने की समग्र तैयारी होनी चाहिये।

(a) उपरोक्त प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को उद्घाटित कीजिये।

(b) एक सक्षम अधिकारी के रूप में आप कुछ ऐसी व्यावहारिक रणनीतियों की चर्चा कीजिये, जिससे ऐसी आपदाओं को रोका जा सके एवं इनका सामना किया जा सके। (250 शब्द) 20

From 'rat hole mining' to 'open cast mining', India has witnessed major mining disasters. The main reason behind these calamities is the unscientific, illegal and unsafe mining in India. As and when such disasters are in the news, the incumbent governments and administration address it at the immediate level. But there is indifference to providing sustainable solutions which frequently causes such disasters. After such calamities, an administrative tendency has also been observed which puts the blame on victims.

The tacit consensus of the government and administration to unsafe mining activities in India and the attraction of miners are mainly linked to revenue and employment realization. But such activities also lead to widespread loss to public exchequer and environmental degradation. Therefore, there should be a holistic preparedness to prevent such calamities and to comprehensively cope if they occur.

(a) Identify the underlying ethical issues in the above case.

(b) As a competent authority, discuss some of the feasible strategies to prevent and combat such calamities. (250 words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खनन यद्यपि एक व्यवसायिक गतिविधि है किंतु इससे कई प्रकार सामाजिक, पर्यावरणीय व नैतिक पक्ष जुड़े हैं।

① प्रकरण में निहित नैतिक मुद्दे

* खनन कार्य में लगे श्रमिकों की सुरक्षा यह जीवन जीने के अधिकार के विरुद्ध है

* कानून का प्रभावी क्रियान्वयन ना होना: क्योंकि समाधान किए जाने के बावजूद बार बार ऐसी घटनाएँ हो रही हैं

* पर्यावरणीय प्रभाव: अवैज्ञानिक, अवैध व अनुचित खनन पर्यावरण निम्नीकरण को बढ़ावा देता है

* नैतिक द्वन्द्व·

  * पर्यावरण की सुरक्षा बनाम आर्थिक लाभ

  * श्रमिकों की सुरक्षा बनाम रोजगार एवं आर्थिक लाभ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) व्यवहारिक रणनीतियाँ -

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* प्रशासनिक तंत्र की शिथिलता ऐसी गतिविधियों का एक प्रमुख कारण है। जिसका कारण मानवीय मूल्यों की कमी है। प्रशासनिक अधिकारियों के लिए एक वर्क शॉप आयोजित की जानी चाहिए जिसमें प्रशिक्षित करने के क्रम में मानवीय मूल्यों के विकास पर ध्यान केंद्रित हो।

* प्रशासनिक जिम्मेदारियों का जिन्होंने सम्यक् तरीके से पालन नहीं किया है उन्हें दण्डित किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएँ ना हों।

* खनिकों पर गैर कानूनी गतिविधि होने की स्थिति में कार्यवाही की जानी चाहिए तथा उन्हें नवीन तकनीकों, सुरक्षा दिशानिर्देशों तथा मानकों के संदर्भ में अवगत कराया जाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख[...] चाहिये।
(Candidate must no[...] write on this margi[...]

* चूंकि श्रमिक रोजगार की कमी के कारण ऐसा करने के लिए मजबूर होते हैं। इन्हें अन्य आर्थिक गतिविधियों में संलग्न किया जाना चाहिए। इस हेतु <u>कौशल विकास</u> कार्यक्रमों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जाना चाहिए।

* अवैध खनन को रोकने के लिए तुरंत उन्हें सीज करने की आवश्यकता है जिले एवं प्रभावी निगरानी में रखा जाए।

* अवैज्ञानिक व असुरक्षित खनन हेतु तकनीकों व नवीन पद्धतियों तक खनिकों की पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए। लागत को कम करने के लिए उन्हें सहायता दी जा सकती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* श्रमिकों को आपदा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा इस स्थिति से निपटने के उपायों के बारे में अवगत कराया जा सकता है

* तुरंत प्रभाव से आदेश जारी कर सभी रैट होल माइनिंग व ओपन कास्ट माइनिंग क्षेत्रों को बंद कर उन्हें नवीन पद्धतियों से स्थानांतरित किए जाने की आवश्यकता है

* घटित हो जाने की स्थिति से निपटने हेतु स्थानीय आपदा प्रबंधन सुरक्षा उपायों की जांच कर उन्हें तत्पर रखने की आवश्यकता होगी।

इस कार्ययोजना का पालन कर अवैध, असुरक्षित अवैज्ञानिक खनन से जुड़ी पर्यावरणीय, प्रशासनिक व सुरक्षा चुनौती से निपटा जा सकेगा तथा जान माल की रक्षा होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation